

ज्ञान
चरित्र
संस्कार
अनुशासन

जैन शिक्षण प्रसार समिति

जयंत भवन, महू नीमच रोड, मंदसौर (म.प्र.)

50 वर्षों से जैन समाज द्वारा संचालित मंदसौर नगर की अत्यंत प्राचीन एवं गौरवशाली शिक्षण संस्था

आवश्यकता है... सत्र - 2025

जैन माध्यमिक विद्यालय (हिन्दी माध्यम)		
दोपहर का समय 12:00 से 5.00 तक		
विषय	पद	शैक्षणिक योग्यता
पूर्व प्राथमिक शिक्षक	02	स्नातक एवं डी.एड.
प्राथमिक शिक्षक	02	स्नातक एवं बी.एड.
माध्यमिक शिक्षक	02	स्नातकोत्तर एवं बी.एड. विषय - संस्कृत एवं विज्ञान

जैन बालक उ.मा. विद्यालय (हिन्दी माध्यम)		
सुबह का समय प्रातः 8.00 से 12:00 बजे तक		
वाणिज्य, विज्ञान एवं कला तीनों समूहों की संचालित कक्षाएँ		
विषय	पद	शैक्षणिक योग्यता
अंग्रेजी	02	M.A. ENG. & B.Ed
हिन्दी	01	M.A. हिन्दी & B.Ed
विज्ञान	01	M.sc & B.Ed
सा. विज्ञान	01	M.A. & B.Ed
वाणिज्य	01	M.com & B.Ed

इच्छुक अभ्यर्थी अपनी शैक्षणिक योग्यता व अनुभव प्रमाण पत्रों के साथ 7 दिवस में स्कूल समय में आवेदन स्कूल कार्यालय में प्रस्तुत करें।

प्राचार्य
डॉ. रमीला जैन
जैन माध्यमिक विद्यालय
मो.नं.-8120213995

प्रवेश प्रारम्भ
(सत्र-2025)
सभी कक्षाओं में प्रवेश प्रारम्भ है

प्राचार्य
कमलकिशोर सक्सेना
जैन बालक उ.मा. विद्यालय
मो.नं.-9827092022



के मांस, बीफ, फल-सब्जियों और डेयरी उत्पादों पर 10 फीसदी अतिरिक्त टैरिफ घोष दिया है। अमरीकी सोयाबीन और कपास के लिए चीन सबसे बड़ा बाजार है। चीन बीफ, डेयरी उत्पाद, सुआर मांस और मूंगों के मांस आदि का भी बड़ा खरीददार है। यदि अमरीकी उत्पाद महंगे हो जाएंगे, तो चीन बाजौली, अर्जेंटीना, पराग्वे मरीछे वैकल्पिक आपूर्तिकर्ताओं से आयात कर सकता है।

स्थितियों में अमरीकी किसान, व्यापारी को नुकसान हो सकता है। गौरतलब यह है कि नवंबर 2024 के चुनाव में अमरीका के क्षृि प

आश्रित लोगों और क्षेत्रों के करीब 78 फीसदी लोकप्रिय वोट टंप को मिले थे। यही नहीं, चीन से आने वाले इलेक्ट्रॉनिक सामान, मोबाइल, कंप्यूटर, वीडियो गैम्स और उपभोक्ता सामान भी महंगे होंगे। दरअसल यह व्यापार-युद्ध चीन, कनाडा, मैक्सिको बनाम अमेरिका तक ही सीमित नहीं है। खापति टंप विश्व भर में इस्मात, अल्पनियम पर 25 फीसदी टैरिफ की घोषणा भी कर चुके हैं। यह 12 मार्च से प्रभावी होगा। 'पारस्परिक टैरिफ' की बात भी टंप करते रहे हैं, किन्तु भारत इन स्थितियों से अछूता नहीं रह सकता। हालाँकि भारतीय निर्यात

संगठन महसूस (फियो) के अध्यक्ष एस. यी. रल्लन का मानना है कि भारतीय निर्यातकों को अमेरीका में शिपमेंट बढ़ाने में मदद मिलेगी। शिपपॉर्ट टॉप ने 2019 में भी जघ्न चीन पर अधिक टैरिफ लगाया था, तब भारत चीन सबसे बड़ा लाभ पाने वाला देश था। इन परिस्थितियों में भारत अपने को एक विश्वमनीय, वैश्व व्यापार-साझेदार के तौर पर स्थापित कर सकता है। वह अपने निर्यातकों को प्रोत्साहित करे, ताकि वे नए बाजार खंगाल सकें। इस संदर्भ में ब्रिक्स जैसा संगठन अपने देशों में विश्वास करे और वे एक सामान्य टैरिफ पर आपसी व्यापार को बढ़ा सकते हैं।

अपराध को जन्म दे रहे हैं लिवइन रिलेशन

लगाया है और वॉइड हाउस के टैरिफ हमले को इसी का हिस्सा बताया है। दूरूडे ने मंगलवार 4 मार्च को कहा कि अमेरिकी राष्ट्रपति ट्रंप के टैरिफ युद्ध का उद्देश्य कनाडा की अर्थव्यवस्था को नष्ट करने है ताकि वह देश को अपने में मिला सके। इसके पहले कनाडा के दूरूडी प्रशासन ने खोलाइड ग्रुप के टैरिफ प्रभले पर फलटवार करते हुए अमेरिकी आयात पर टैरिफ लगाया है। ट्रंप ने कनाडाई ऊर्जा आयात पर 10 प्रतिशत और अन्य सभी वस्तुओं पर 25 टैरिफ लगाने का ऐलान किया था। इसके कुछ घंटों बाद ही ओडोना ने सीईए प्रसाधन, उत्कण्ण, टायर, फल और सब्जियां समेत 30 अर्थ कनाडाई डॉलर मूल्य के अमेरिकी आयातों पर तत्काल 25 टैरिफ लगाने की घोषणा की। कनाडा ने कहा है कि आवश्यकता पड़ने पर 21 दिनों के भीतर 25 डॉलर डॉलर मूल्य के अतिरिक्त आयात पर टैरिफ लगाया जाएगा। दूरूडे ने फेदेरल डिप्टी को तस्करों के ट्रंप के आरोपों पर भी जवाब दिया और कहा कि टैरिफ लगाने के लिए अमेरिकी राष्ट्रपति फेदेरल को बचना बना रहे हैं। दूरूडे ने इन आरोपों की पूरी तरह से फाँटी, पूरी तरह से अनुचित और पूरी तरह से झूठ बताया। दूरूडे ने कहा, ट्रंप जो चाहते हैं, वह है - कनाडा की अर्थव्यवस्था का पूरी तरह से फलट देना। क्योंकि इससे हमें अपने साथ स्थितान आसन्न हो जाएगा।

भारत के ज्यारत मंत्रालय के आंकड़ों से यह भी पता चलता है कि वित्तीय वर्ष 2022-23 की तुलना में अमेरिका को भारत के निर्यात में काफी गिरावट आई है। वित्तीय वर्ष 2023-24 में, भारत ने 2022-23 की तुलना में अमेरिका को 47.68 प्रतिशत कम स्टील का निर्यात किया, जबकि लोहे और



त्रोकरेज फर्म नोमुरा की एक रिपोर्ट के अनुसार, इन देशों में संयुक्त राज्य अमेरिका की तुलना में बहुत अधिक प्रभावी टैरिफ दरें हैं। इसलिए वे अधिक प्रभावित हो सकते हैं। भारत का अमेरिका से निर्यात की औसत दर 9.5 प्रतिशत है। भारत का अमेरिका की निर्यात तीन प्रतिशत शुल्क के अधीन है। ब्रिटेन में 0.9 प्रतिशत बनाम 6.2 प्रतिशत का आंकड़ा है, जबकि चीन में 2.9 प्रतिशत बनाम 7.1 प्रतिशत है, और सिंगापुर और दक्षिण कोरिया जैसे देश, जिनके पास संयुक्त राज्य अमेरिका के साथ मुक्त व्यापार समझौते हैं, ट्रम्प के प्रतिशोधी टैरिफ के खतरे से अधिक सुरक्षित हैं। नोमुरा ने कहा कि भारत में उच्चतम निर्यात शुल्क दर है। भारत एशियाई-ओशनियन फ्री ट्रेड एरिया (एफ्टा) टैरिफ दर वाला देश है। इसलिए, भारत को ट्रम्प की टैरिफ दर में वृद्धि का बड़ा खतरा है। दुनिया भर में भारत के निर्यात का 18 अमेरिका को होता है। 2024 में व्यापार अधिरोध बढ़कर लगभग 38 बिलियन हो गया है। अमेरिका में भारत के निर्यात में विद्युत/औद्योगिक मशीनरी, रबर और आभूषण शामिल हैं। नोमुरा के विश्लेषकों ने कहा कि दवाएं, ईंधन, लोहा एवं इस्पात, लोहा एवं इस्पात, लोहा एवं इस्पात, कपाड़ा, कपाड़ा और रसायन क्षेत्र में आयरन, स्टील और एल्युमिनियम की हिस्सेदारी कुल 5.5 प्रतिशत है। यदि वे अपने शीर्ष स्थान को बनाए रखते हैं, तो भारत और ब्राजील सबसे तेजी से बढ़ती अर्थव्यवस्थाएँ होंगी, जिनकी तेजीबी वृद्धि अर्थव्यवस्थाओं में सबसे अधिक होगी। लेकिन कर्ज का बोझ भी तेजी से बढ़ा है। दूसरी ओर, कनाडा, जर्मनी और इटली ने कर्ज कम करने में कामयाबी हासिल की है। साथ ही, जापान भी

आर्थिक स्थिति चुनौतीपूर्ण रही है। यह विश्लेषण 2020 से 2025 तक के आर्थिक आंकड़ों पर आधारित है। विश्व मुद्रा कोष का अनुमान है कि 2025 में अमेरिकी जीडीपी 30.3 ट्रिलियन डॉलर तक पहुंच जाएगी। यह विश्लेषण कुछ वर्षों में 42 प्रतिशत की वृद्धि है। इसके अलावा, संयुक्त राज्य अमेरिका ने कहा-से-जीडीपी अनुपात को 132 प्रतिशत से घटाने 124 प्रतिशत कर दिया है। यह संयुक्त राज्य अमेरिका की मजबूत आर्थिक स्थिति को दर्शाता है। चीन की जीडीपी 2025 तक 19.5 ट्रिलियन डॉलर होने का अनुमान है। यह 2020 में 14.9 ट्रिलियन डॉलर था। पिछले पांच वर्षों में इसमें 31 प्रतिशत की वृद्धि हुई है, लेकिन चीन का कर्ज-टू-जीडीपी अनुपात 70 प्रतिशत से बढ़कर 94 प्रतिशत हो गया है। इसी दशा है कि चीन की विकास दर खाफ पर निर्भर है, जो लंबे समय में खतरनाक हो सकती है।

भारत दुनिया की सबसे तेजी से बढ़ती अर्थव्यवस्थाओं में से एक है। भारत की जीडीपी 2020 में 2.7 ट्रिलियन डॉलर से 2025 में 4.3 ट्रिलियन डॉलर तक पहुंचने की उम्मीद है। इसका मतलब है कि भारत ने पांच वर्षों में 60 प्रतिशत की प्रभावशाली वृद्धि हासिल की है और खाफ-से-जीडीपी अनुपात 88 प्रतिशत से गिरकर 83 प्रतिशत हो गया है। यह भारत की आर्थिक स्थिरता को दर्शाता है। यूरोप की सबसे बड़ी अर्थव्यवस्था जर्मनी की जीडीपी, 2020 में 3.9 ट्रिलियन डॉलर से बढ़कर 2020 में 3.9 ट्रिलियन डॉलर होने की उम्मीद है। अंदाज़ा लगाओ क्या। इसके अलावा, खाफ-से-जीडीपी अनुपात 68 प्रतिशत से गिरकर 62 प्रतिशत हो गया है।

मनोज कुमार अग्रवाल

लिव-इन रिलेशन को मूल भारतीय सम्प्रदाय में अस्वीकार किया जाता है, लेकिन समय-साथ-साथ यह विचार शहरी समाज के युवाओं में तेजी से फैल रहा है। कानून ने लिव-इन रिलेशनशिप को अब भारतीय समाज में स्वीकारणीय रीति मान लिया है, यह विचार का केंद्र बना हुआ है, कुछ लोग इसे पारम्परिक बदलाव के रूप में स्वीकार करते हैं, लेकिन इससे भारतीय समाज को नए दोषों पर ले जाकर खड़ा कर दिया है जहाँ यह वर्जनाओं को तोड़ने बिना विवाह स्वयंसेवा योनाचार करने से अप्रसन्न के नए आधार पर रहे हैं।

लिव-इन रिलेशनशिप या ५%सहम सम्बंध एक ऐसी व्यवस्था है, जिसमें स्त्री और पुरुष बिना विवाह किए पति-पत्नी को भाति रहते हैं। कई जेड़े तो बच्चे भी पैदा कर लेते हैं। अतः इसी सहमति से कायम यह सम्बंध पड़ोस देशों में आम बात है और उनकी देखादेखी भाई जैसे देशों में भी यह बुराई फैलने लगी है।

आफ़ो को बात दें कि भारत में 1978 सुप्रीमकोर्ट ने पहली बार लिव-इन रिलेशनशिप को मान्यता दी थी। सुप्रीम कोर्ट ने बड़ी प्रसन्नताम व्यक्तीकरण ऑफ़ कंस्टीट्यूशन केस पछली बार लिव-इन रिलेशनशिप को वैध मान दिया, इसके बाद 2010 में महिलाओं की सुपर चर्चा करते हुए लिव-इन रिलेशनशिप को कानूनी मान्यता दी गई थी। कोर्ट ने कहा कि महिलाएँ लिव-इन रिलेशनशिप में हैं, वे छोटी कानून के तहत संरक्षित हैं, आसान भ

था। उनकी माँ बिजय लक्ष्मी ने लिख इन पार्टनर बिधा और उसके रिश्तेदारों पर हत्या का आरोप लगाया था।

हला ही में दिल्ली पुलिस ने रूप नगर इलाहाबाद में सोनू-नगर नाम के युवक की हत्या में लिख इन पार्टनर महिला समेत दो लोगों को गिरफ्तार किया है। महिला ने भाड़े के हत्यारों से वादय का हत्या करवा था। महिला को शक था कि सोनू ने उसे पति एवं बेटी की हत्या करवा था। डीसीपी राधा कृष्ण ने बुलाया की बताया कि तीन फरक को रूप नगर स्थित नाले में युवक का शव पा मिलता था।

4 सितम्बर, 2024 को बुरहानपुर (मध्य प्रदेश) में एक महिला के साथ 6 वर्ष से लिख इन में रह रहे एक भूतपूर्व सैनिक को उस पहले पति से जन्मी 11 वर्ष की बेटी बलात्कार करने के आरोप में गिरफ्तार किया गया। 24 अक्टूबर, 2024 को दिल्ली मुकदमपुर में एक महिला ने अपने लिख इन पार्टनर को डकैती तथा हथौड़े से धार करके मार डाला। बताया जाता है कि यह महिला कि दूसरे पुरुष के संपर्क में आ गई थी और पहले वाले को छोड़कर नए वाले के साथ रह चाहती थी। 24 नवम्बर, 2024 को पुणे (महाराष्ट्र) के ५५%हजक५५% में एक 32 वर्षीय शादीशुदा व्यक्ति ने अपनी लिख इन-पार्टनर चरित्र पर शक होने के कारण तीखी बहस बाद हथौड़े से उसकी हत्या कर दी।

24 नवम्बर, 2024 को श्री सोनीपत में ए विवाहित व्यक्ति को अपनी लिख इन-पार्टनर और स्कूल के दिनों की प्रेमिका की हत्या कर और उसकी लाश को दबा देने के आरोप

प्रतिनिधि का दायबा है कि इसी हप्तमे दोनो देशों के बीच चल रहा संघर्ष समाप्त हो सकता है। कुछ दिनों पहले टॉप और रूसी राष्ट्रपति ब्लादिमीर पुतिन ने कहा था कि अब यूक्रेन में चुनाव कराए जाने चाहिए। जाहिर है, जेलेंसकी अलग-थलग पा जाऊँ हैं और अब उनके सामने हथियार डालने के अलावा कोई विकल्प नजर नहीं आ रहा। अभी तक यूक्रेन इसीलिए रूस का मुकाबला कर पा रहा था कि उसे अमेरिका से मदद मिल रही थी। अब ट्रंप ने वह मदद देने से इनकार कर दिया है। इसे लेकर जेलेंसकी की प्रतिक्रिया स्वाभाविक है। हालांकि रूस की तफ़फ अमेरिकी झुकाव के अपने समीकरण है, पर इस हकीकत से मुंह नहीं फेरा जा सकता कि रूस-यूक्रेन संघर्ष का पूरी दुनिया पर

असर पड़ रहा है और जैसे भी हो, सब यही चाहते हैं कि वहाँ शांति बहाली होनी चाहिए। इस युद्ध को चलते तीन वर्ष हो गए। करीब छह लाख भयान घवसते हो चुके हैं। दोनों तरफ से सवा लाख से ऊपर सैनिक मारे जा चुके हैं। हजारों आम नागरिकों की जान जा चुकी है। लाखों नागरिक विस्थापन का दर्द झेल रहे हैं। इस युद्ध को रकवाने के लिए कई तरह से कोशिशें की गईं। भारत ने भी बार-बार कहा कि युद्ध किसी मसले का हल नहीं हो सकता। प्रधानमंत्री ने दोनों देशों के राष्ट्रपतियों से कई बार फोन पर बात की और युद्ध रोकने की अपील की। मगर दोनों देश अपनी-अपनी जिद पर अड़े रहे। अब्दुल नाज है कि इस युद्ध के रकने की संभावना बात आने

लगी है। हालाँकि जेलेंस्की अब भी यूक्रेन की नाटो सदस्यता का मुद्दा उठा रहे हैं, जो मुश्किल लगता है। दरअसल, युद्ध की शुरूआत ही इसी से हुई थी कि यूक्रेन ने नाटो का सदस्य बनने का फैसला किया था और रूस ने उसे इस फैसले से वापस लेने की चेतावनी दी थी। जेलेंस्की इस बात से भी डरे हुए हैं कि शांति बहाली को लेकर जिस तरह खियाद में बैठकें हो रही हैं, उसमें रूस का ही घब अधिक मजबूत रहेगा और उसी की शर्तें लगाने होंगी। जाहिर है, इससे यूक्रेन को नुकसान उठाना पड़ेगा। यूक्रेन में खनिजों आदि को लेकर अमेरिका के अपने स्वार्थ हैं और यह देखने की बात होगी कि युद्ध समाप्ति के बाद वह खनिज किस तरह रणनीति बनाता है। पर फिनाइल युद्ध रूकना ज्यादा जरूरी है, ताकि यहां के लोगों का जीवन फिर से पटरी पर लौट सके और बेवजह हा हा जाने बचाई जा सके।

[illegible]

क्रमांक- 5528

		9	4	7			3	6
				8			2	9
	1		2				5	7
7	6							
		1				6		
							1	5
6	9				1		4	
8	2			5				
1	4			6	9	7		

नियम : प्रत्येक पंक्ति में 1 से 9 तक अंक भरे जाने आवश्यक हैं, इनका क्रमवार होना आवश्यक नहीं है। आड़ी व खड़ी पंक्ति में एवं 3x3 के वर्ग में अंक की पुनरावृत्ति न हो, पहले से मौजूद अंकों को आप हटा नहीं सकते।

6	5	7	4	2	3	1	8	9
8	1	4	9	5	6	2	7	3
3	9	2	1	8	7	4	5	6
5	4	6	8	7	2	3	9	1
7	8	1	3	9	4	6	2	5
2	3	9	5	6	1	7	4	8
4	2	5	6	1	8	9	3	7
9	6	3	7	4	5	8	1	2
1	7	8	2	3	9	5	6	4

1		2	3	4		5	
		6					
7	8		9			10	11
12					13		
14				15		16	
	17	18	19		20		
21		22					
23						24	

संयोग: जाएँ मे पावूँ

१. भारत रत्न से सम्मानित फिल्म जगत का प्रथम व्यक्ति (१)
२. कला आदि शिक्षाने वाला व्यक्ति, उस्ताद, गुरु यात्रा (२)
३. प्रतिभा नन्द कवित्त, हुज्जत सिविल हुज्जत, सांस्कृतिक प्रवृत्ति भूमिका कला (५)
४. चौदह मुंह का खोल पत्र का प्रकाश मिट्टी, कला आदि का कला, कला (२)
५. अद्वय, नमस्कार हुआ, नमस्कार (२)
६. जन्म, विष्णु, कला (२)
७. कला जगत है कि कलाई रचनाई है अक्षर मुखरी ने इस जगत का निर्माण किया (३)
८. दंत, दंत (३)
९. देवता का कला देने वाला (४)
१०. योगीश्वर योग या प्रवेश, दूरी पर (३)
११. यह प्रश्नोत्तर का सम्बन्ध कहा नगर है इन्हीं उन्मत्तों को विनम्रता पर शिक्षण का दूसरा सम्बन्ध कहा गहर है (३)
१२. शरीर, शरीरभूमि, वापसी (३)
१३. शरीर में नाना का नाना (४)
१४. शरीरों की शरीर में शरीर (१)

कलर मे नीचे

१. कलर अंतर पर होने वाला (३)

2. जीवित रहने, शरीर में प्राण रहना (2)
3. बिना पाप के: भूत काटने और लपेटने का छिछोरा उड़करने (3)
4. येही सुनि जाहो जगो को ब्रह्म का पापी न भूये (3)
5. अराग्य, कष्ट, दुर्घ (3)
6. ध्यान, योग, अज्ञान (4)
7. भुखं दुःखना, दोष कलहना (5)
8. राक्षसकर्म, वेषधारी, धरगुन के खाला (5)
9. राजा का सहाय को पक्ष भेद का जना है (5)
8. कैरिबिखंड स्मरण का मोरी कलहने का ब्रह्म का यह राजनीनी है (3)
19. अस्वित्त करता, रंग करार, रंगा (3)
21. मिथळ संयोग, झुठो खबर (2)

कॉफ़ी पेलेटी 5527 का हल

इ	ल	श	भा	द	वै	फ
क	मा	उ		ख		
न		व	कु	ल		ज
म	पु		ट		शि	ऊ
	ल		प	भ		
अ				र	उ	य
गु	श	पु	ब	झ		
र		श		गु	न	व

**पुराने पतरे
बिकाऊ है**
* सम्पर्क करें *
7987808768

**कम दाम
बढ़िया काम
अजन्ता
स्प्रे पेन्टिंग**
मो.-7089832581